बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – १९ जून, २००५)

(समय : सुबह ९:०० से १०:३०)	सत्संग परिचय - १	कुल प्राप्तांक : ७५

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जनवरी २००१

प्रश्न.१. निम्न अवतरण कौन-किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''जाइए, ब्राह्मण जैसी विद्या और उनके जैसे सद्‌गुण तुम लोगों में आएंगे ।'' १४०

२. ''अंत में महाराज ने कहा, जो स्वामिनारायण का हो वे यहाँ मेरे पास आकर बैठे ।'' १४७

३. ''महाराज जो कम्बल ओढते हैं वह कम्बल आप महाराज के पास से माँग लिजिए ।'' १२४

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए । (तीन से चार पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. दो दो मिनट बाद महाराज उस बछ़डे को लकड़ी छुआते रहे । ९५

२. शोभाराम चार ही दिन में अंधा हो गया । ६८

३. राणबाई के साथ महाराज विलोना खींचने लगे । ७१

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में मुद्‌दासर विवरण लिखिए । (१२ पंक्ति में) **(८ गुण)**

१. धर्म-भक्ति के दर्शन । ६६

२. सतीप्रथा का अन्त । ४०

३. हम पर दया रखिएगा । ६३

४. नवाब का निश्चय । ८२

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. कारियाणी में महाराज हरिभक्तों के द्वारा क्या खुदवाते थे ? २९

२. सहजानंद स्वामी ने शीतलदास को कौन-सा मंत्र जाप करने के लिए कहा ? ४

३. रुपयों के बदले में भीम पंड्या ने गरासिया से क्या माँगा ? ७५

४. चींटियाँ अक्षरधाम में किसके प्रताप से गई । २८

प्रश्न.५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । **(४ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जायेगा ।

१. कठपूतली के खेल । १११

(अ) नेण कटारी सलुणा श्यामनी रे.....

(ब) सारे प्राणी आपके हाथ के इशारे पर नाचनेवाली पुतलियाँ है ।

(क) रुक्मिणी विवाह का प्रसंग दिखलाओ ।

(ड) हमारी कला देखकर पावन होने दीजिए ।

२. आणंद में अपमान । १०१

(अ) उबलते तेल की टंकी बनवाई । (ब) पट्‌टन सो दट्‌टन ।

(क) क्षमा और धीरज रखना । (ड) धूलि कंकड़ और ढ़ेफे खाए ।

प्रश्न.६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४ गुण)**

१. महाराज को उदास देखकर ..... स्वामी रोने लगे । १५७

२. महाराज ने भूज में मंदिर बनवाने ..... स्वामी को भेजा । १२२

३. श्रीजीमहाराज ने लांघणोज में ..... का भोजन ग्रहण कर लिया । ८९

४. डनलोप महोदय ने ..... ताम्रपत्र पर लिखकर वह भूमि दे दी । ११८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १९ जून, २००५. परीक्षा - सत्संग परिचय - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १०:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम आवृत्ति, जुलाई २०००

प्रश्न.७. निम्न अवतरण कौन-किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''भैंस ने लहसुन खाया है, इसलिये दूध में उसकी दुर्गंध आ रही है ।'' ४८

२. ''आप अक्षरधाम के स्वामी है । हमें इस तथ्य को कैसे समझना चाहिए ?'' १६

३. ''मेरे लिए तो आपकी आज्ञा ही उत्सव समारोह है ।'' ५६

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए । (तीन से चार पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. नित्यानंद स्वामी प्रति वर्ष एक महीने के लिए जूनागढ़ जाते थे । ८

२. कृष्णजी अदा ने अपने गुरुभाई एवं परम प्रिय मित्र हिमराजभाई से सदा के लिए सम्बन्ध तोड़ दिए । ६९

प्रश्न.९. निम्न में से किन्हीं एक के बारे में मुद्दासर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. दादा खाचर को महाराज के पुरुषोत्तम स्वरूप का दृढ निश्चय था । ३८

२. लाडुबा को शास्त्रों की सत्यता की प्रतिति हुई । ४७

३. जागा भगत ने स्वामी की प्रसन्नता प्राप्त की । ६४

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. दादा खाचर का वंश रखने महाराज ने क्या किया ? ४३

२. महाराज ने पिंजारा के पुत्र को कहाँ जाने की आज्ञा दी ? १२

३. कड़वा व्यास को सहजानंद स्वामी का परिचय किसने करवाया था ? ६५

४. एभल खाचर ने श्रीजीमहाराज को क्या सौंपा था ? ३८

प्रश्न.११. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखे । **(५ गुण)**

प्रसंग :- महाराज की अपार महिमा समझने वाले मूलजी ब्रह्मचारी । २३

१. श्रीजीमहाराजने मूलजी ब्रह्मचारी को बिना किसी अपराध के सजा दी, विमुख किया और वापिस बुलाया । **२.** सुथारण बाई मूलजी को अपने घर ले गई । **३.** महाराज ने मूलजी ब्रह्मचारी को बुलवाया, आते ही वे महाराज की सेवा करने लग गए । **४.** महाराजने कहा, 'इस मूलजी ब्रह्मचारी के लिए कोई अपना या पराया नहीं है ।' **५.** मूलजी ब्रह्मचारी महाराज को प्रेम से भोजन करवाते थे । **६.** महाराज को आम का रस और रोटी बनाकर खिलाई । **७.** बिना अपराध के महाराज ने ब्रह्मचारी को विमुख किया, कड़े नियम दिये फिर भी उन्हें लेशमात्र भी दु:ख नहीं हुआ । **८.** श्रीजीमहाराज और ब्रह्मचारी की जोड़ी महाराज ने बनाई थीं । **९.** ब्रह्मचारी ज्यादा पढ़े लिखे नहीं थे, फिर भी मतलब की बात समझ लेते थे ।

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. दादा खाचर ने अपनी ज़मीनदारी जीवा खाचर को लिख दी । ४०

२. जोगीदास खुमान ने घर छोड़ दिया और द्वारिका की तीर्थयात्रा पर निकल पड़े । २४

३. नित्यानंद स्वामी ने संवत् १९०८ में नश्वर देह छोड़ दी । ८

४. दादा खाचर ने प्रेमानंद स्वामी से महाराज के विरह के पद गाने के लिए मना किया । १७

प्रश्न.१३. निम्न में से किसी भी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए। **(१५ गुण)**

१. ८२ वर्ष की आयु में भी निरंतर कर्मशील एवं प्रसन्नचित प्रमुखस्वामी महाराज ।

२. जीवन निर्माण की निराली पाठशाला : BAPS छात्रालय ।

३. जीवन में संयम-नियम की आवश्यकता ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १७ जुलाई, २००५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।